

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- लः इ 3-- उपलब्द (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 404]

नई बिल्ली, सोमवार, नवम्बर 9, 1970/कार्त्तिक 18, 1892

No. 404]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 9, 1970/KARTIKA 18, 1892

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 9th November, 1970

S.O. 3710.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.O. 581, dated the 4th March, 1963, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 816, dated the 4th March, 1968, in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S.O. 922, dated the 3rd March, 1969, and in the Ministry of Foreign Trade Nos. S.O. 835, dated the 28th February, 1970, and S.O. 2969, dated the 2nd September, 1970, made under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the management of the industrial undertaking known as the Pratap Spinning, Weaving and Manufacturing Company Limited, Amalner (Maharashtra), had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above;

And whereas it appears to the Central Government that the purpose of the Order made under the said section 18A has been fulfilled;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under section 18F of the said Act, the Central Government hereby cancels the Order first mentioned above.

This Order shall come into force on and from the 4th December, 1970.

[No. F. 13(1)TEX(G)/68.]

C. S. RAMACHANDRAN, Addl. Secy.

(1795)

विवेशी ध्यापार मंत्रालय

धावेश

नई दिल्ली, 9 नवंबर 1970

का॰ आ॰ 3710.—यतः उत्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के अधीन जारी किए गए भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिष्य मंत्रालय के आदेश सं॰ का॰ आ॰ 816 दिनांक 4 मार्च, 1968, भूतपूर्व विदेशी ध्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय (विदेशी ध्यापार विभाग) के आदेश सं॰ का॰ आ॰ 922, दिनांक 3 मार्च 1969 तथा विदेशी व्यापार मंत्रालय के आदेश सं॰ का॰ आ॰ 835 दिनांक 28 फरवरी, 1970 तथा का॰ आ॰ 2969 दिनांक 2 सितम्बर, 1970 के साथ पठित भारत सरकार के भृतपूर्व वाणिष्य तथा उद्योग मंत्रालय के आदेश सं॰ का॰ आ॰ 581 दिनांक 4 मार्च, 1963 द्वारा प्रताप स्पिनंग, वीविग एष्ड मैन्यफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, अमलनेर (महाराष्ट्र) नामक औद्योगिक उपत्रम का प्रवन्ध उपरिणित श्रतिम आदेश में निदिष्ट, प्राधिकृत नियंवक द्वारा ले लिया गया था;

भीर यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उध्त धारा 16क के श्रधीन जिसे गये भादेश का प्रयोजन पूरा हो गया है;

श्रत: श्रश्च उपत श्रधिनियम की धारा 1ध्च ्यारा प्रदत शक्तियों का प्योग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदरवारा उपरिवर्णित श्रंतिम श्रादेश को रृद करती है।

यह ब्रादेश 4 दिसम्बर, 1970 को तथा उस तारीख से लागू होगा।

[सं०फा० 13 (1) टंबस (जी)/68] सी० एस० रामचन्द्रन, ध्रपर सचिव ।